सामाजिक समूह के निर्माण के आधार
(Bases of Social Group formation)

classmate
Date
Page

लोग आखिर समूह में क्यों रहते है या समूह में रहने का मुख्य आधार क्या है? समाज में समूहों के निर्माण के कई कारण या आधार है जिसे बिक्टर ने चार खण्डों में विभक्त किया है जो निम्नलिखित है:-

(1) सामान्य वंश:-

समाज में बहुत लोग रक्त या विवाह के आधार पर इकट्ठे रहना चाहते है। परिवार या ग्रामीण समुदाय जैसे समूहों का मुख्य आधार सामान्य कुल परम्परा ही है। आदिमजाति समाज में कुल जनजातीय समूहों का मुख्य आधार होता है।

(2) सामान्य क्षेत्र:-

क्षेत्रीय समानता का आधार पर भी सामाजिक समूहों का निर्माण होता है। पड़ोसी और ग्रामीण समुदाय का मुख्य आधार क्षेत्रीय समानता है। खिलाड़ियों का समूह, नागरिक क्लब एवं क्षेत्रवाद या क्षेत्रीय समूह का आधार सामान्य क्षेत्र का होना है।

(3) सामान्य शारीरिक विशेषता:-

बहुत बार समूहों का निर्माण जैविक विशेषताओं के आधार पर होता है। जैसे - युवा क्लब, महिला मण्डली, नृजाति समूह इत्यादि।

(4) सामान्य हित या स्वार्थ:-

समान किस्म के स्वार्थ वाले व्यक्तियों का एक समूह होता है। उद्देश्य की समानता का अभाव में समूह का निर्माण सम्भव नहीं है। यही कारण है कि विभिन्न किस्म के खिलाड़ियों का अलग-अलग समूह होता है। संगीतकारों का अपना समूह होता है। व्यापारियों का एक अपना समूह

होता है। ऑफिस या दफ्तर के कर्मचारियों एवं चोरों या पॉकेटमारों का भी अपना अलग समूह होता है। हर एक व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ती या हिफाजत के लिए अलग-अलग समूहों का निर्माण करता है।

इन्ही चार परिस्थितियोंमें जब कोई एक स्थिति प्रबल हो जाती है, तो सामाजिक समूह का निर्माण हो जाता है। समूहों का निर्माण कभी भी अकारण नहीं होता है। कभी तो समूहों का निर्माण योजनाबद्ध तरीके से होता है, तो कभी स्वाभाविक रूप से इसकी उत्पत्ति हो जाती है। समाज एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति कभी अकेले नहीं रह सकता। समूह एक स्वाभाविक सामाजिक प्रक्रिया एवं घटना है, जो विभिन्न परिस्थितियों में विभिन्न शक्तियों से जन्म लेती है और परिस्थिति के बदलाव से मिट जाता है।

उपरोक्त विवेचनाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु विभिन्न प्रकार के समूहों का निर्माण करता है अर्थात इस प्रकार वह समूह का निर्माण जानबुझ कर करता है। सामान्य वंश या कुल परम्परा के आधार पर भी समूह का निर्माण होता है। क्षेत्रीय समानता के आधार पर भी समूह का निर्माण होता है। जैसे - खिलाड़ियों का समूह, नागरिक क्लब एवं क्षेत्रवाद या क्षेत्रीय समूह का आधार सामान्य क्षेत्र है। सामान्य शारीरिक विशेषताओं के आधार पर भी समूह का निर्माण होता है। इसका आधार जैविक विशेषता होता है। जैसे - युवा-क्लब, महिला मण्डली, नृजाति समूह इत्यादि।